# Report
# of
# Hindi Department
## (2021-22)

# Mehr Chand Mahajan
# DAV College for Women
## Sector-36(Chandigarh)

www.mcmdavcw-chd.edu
0172- 2603355, 0172- 2624921

1. **Name of the Department : Hindi**
2. **Year of Establishment : 1968**
3. **Names of Programmes/Courses offered (UG, PG, M.Phil, Ph.D, Integrated Mastersetc.)**
   - **iv. UG**
   - **v. PG**
   - **vi. BA Hons.**

**Skill-based Workshops/ Extension Lectures/Panel Discussions organized by the Department in the session:**

| Title | Date | Objective | No. of Students benefitted | Name/Designation/Organization of Resource Person/s |
|---|---|---|---|---|
| Bhartendu Harishchander Jyanti Samaroh | 9-09-21 | Through this program the students were made aware of the contribution of Bharatendu Harish Chandra to literature. | 35 | Mr. Nirmal Nagar, Joint Transport Commissioner (Road Safety), Haryana, Dr. Gurmeet Singh, Department of Hindi, Panjab University and Mr. Ashutosh, Official Language Officer, IOCL |
| Vishav Hindi Diwas | 10-01-22 | To make the students aware of the advanced status of Hindi Language in the world | 30 | Dr. Nisha Bhargava |
| Kavi Sammelan | 21-03-22 | To make aware the students about the importance of poetry.<br>To inculcate the art of poetry recitation | 40 | Mr. Prem Vij, Mr. Shams Tabrezi, Ms. Neeru Mittal, Ms. Sarita Mehta, Mr. Aneesh Garg, Mr. Deepak Chanarthal, Mr. Gurdarshan Singh Mawi, Ms. Neelam Trikha, Mr. Vinod Sharma, Mr. Ashok Nadir |

4. **Projects/ Awards/Positions bagged by students:**

| Name and Class | Name of the Award/Project/Position | Name of the Agency/University | Month/Year |
|---|---|---|---|
| REKHA MA IInd YEAR | She is cleared UGC NET | UGC | 2020 |
| NISHA (ALUMNA) | Published book | | 2021 |

**Details of Publications by the Faculty in the session: (Hard Copies of the Title Page of the Journal/Contents and First page of the Paper to be collected by the HODs)**

| Permanent Faculty/ Contractual faculty | Title of Paper | Title of the Journa with ISSN | Month/ Year | PEER Reviewed/ Refereed | UGC/CARE Enlisted (Yes/No) | URL |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Ms.Sunita Kumari | Vriddh Vimarsh : Vriddh Varag ka Pairokaar | NEW HORIZONS A Multidisciplinary Research Journal ISSN 2277-5218 | August 2021 | Peer Reviewed | NO | |

मेहर चंद महाजन महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग
द्वारा विमर्श मंच के सौजन्य से आयोजित हिंदी दिवस पर प्रस्तुत
'सांस्कृतिक उत्सव'
समय : सुबह 10 से 12 बजे दिनांक : 14-09-21
स्थान : मल्टीमीडिया हॉल
आप सभी मिल कर इस उत्सव का आनंद लें
MCM DAV COLLEGE FOR WOMEN CHANDIGARH
ओ३म्
Golden Years
अप्रतिम ★ अविचल ★ अविराम
ESTD. 1968
समन्वयकर्ता
सुनीता कुमारी
सह-संयोजक
डॉ० मनीषा प्रियंवदा
डॉ० प्रसून प्रसाद
डॉ० सरिता चौहान
संयोजक
डॉ० निशा भार्गव


MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN, CHANDIGARH
Hindi Utsav- Celebration of Bhartendu Harishchandra Jayanti
Principal Dr. Nisha Bhargava inaugurating the celebrations
Students performing play 'Andher Nagri'
Principal Dr. Nisha Bhargava & faculty members welcome Mr.Nirmal Nagar, Joint Transport Commissioner (Road Safety),Haryana, Dr.Gurmeet Singh, Dept of Hindi, PU & Mr. Ashutosh, Official Language Officer, IOCL

# एमसीएम ने हिंदी उत्सव मनाया

**चंडीगढ़ (अप्रस)।** भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने हिंदी उत्सव मनाया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़ और शुरुआत समिति के सहयोग से आयोजित यह उत्सव भारतेंदु हरिश्चंद्र से डॉ. विरेंद्र मेहंदीरत्ता तक हिंदी साहित्य की यात्रा को समर्पित था। इस समारोह में संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), हरियाणा, से श्री निर्मल नागर, पंजाब विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग, डॉ. गुरमीत सिंह, और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में राजभाषा अधिकारी, आशुतोष, उपस्थित थे। समारोह का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने हिंदी साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। डॉ. भार्गव ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में काम करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने एक स्व-रचित कविता 'जीना उन्हीं का है' के पाठ के साथ अपनी बात समाप्त की।

# हिंदी उत्सव पर कराई प्रतियोगिता

**चंडीगढ़।** एमसीएम डीएवी कॉलेज-36 के हिंदी विभाग की ओर से हिंदी उत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम भारतेंदु हरीशचंद्र से लेकर डॉ. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता तक हिंदी साहित्य की यात्रा को समर्पित था। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), हरियाणा के निर्मल नागर, पंजाब यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. गुरमीत सिंह और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में राजभाषा अधिकारी आशुतोष उपस्थित रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने हिंदी साहित्य में भारतेंदु हरीशचंद्र के योगदान के बारे में बताया। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए विभाग की छात्राओं ने उनके नाटक अंधेर नगरी का मंचन किया। इस अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया की ओर से हिंदी पुस्तकों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

पोर्ट्रेट मेकिंग में अनुभा पहले, तान्या पुरी दूसरे व समीक्षा तीसरे, जीवनी पठन में कनुप्रिया पहले, अखिलेश दूसरे और रागिनी तीसरे, कविता गायन में आम्रपाली पहले, इशमीत कौर दूसरे व दृष्टि तीसरे, चित्र कहानी में खुशी पहले, अस्मिता दूसरे व आंचल तीसरे नंबर पर रही। ब्यूरो

# भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती पर एमसीएम ने मनाया हिंदी उत्सव

चंडीगढ़, 9 सितंबर (राम सिंह बराड़): भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वूमैन, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने हिंदी उत्सव मनाया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़ और शुरुआत समिति के सहयोग से आयोजित यह उत्सव भारतेंदु हरिश्चंद्र से डॉ. विरेंद्र मेहंदीरत्ता तक हिंदी साहित्य की यात्रा को समर्पित था। इस समारोह में संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), हरियाणा, से निर्मल नागर, पंजाब विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग, डॉ. गुरमीत सिंह, और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में राजभाषा अधिकारी आशुतोष उपस्थित थे। समारोह का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने हिंदी साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की सादगी पर जोर देकर हिंदी को जनभाषा के रूप में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण

एमसीएम कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. निशा भार्गव पंजाब विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग डॉ. गुरमीत सिंह को सम्मानित करते हुए। (छाया : गुरिंद्र सिंह)

भूमिका निभाने के अलावा, भारतेन्दु जी ने ब्रिटिश शासन के दौरान आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए भारतीयों में राष्ट्रवाद की भावनाओं को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. भार्गव ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में काम करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने एक स्व-रचित कविता 'जीना उन्हीं का है' के पाठ के साथ अपनी बात समाप्त की।

भारतेंदु हरिश्चंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए, विभाग के छात्रों ने उनके नाटक 'अंधेर नगरी' का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों की गड़गड़ाहट भरी तालियां बटोरीं। इस अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा हिंदी पुस्तकों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई और कुछ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिनमें कविता गायन, पसंदीदा लेखक की जीवनी प्रस्तुति, पसंदीदा लेखक का पोर्ट्रेट बनाना, और पसंदीदा लेखक के काम पर आधारित पेंटिंग बनाना शामिल था। कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने के साथ हुआ।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार हैं

**पोर्ट्रेट बनाने में :** प्रथम अनुभा, द्वितीय तान्या पुरी व तृतीय समीक्षा

**कविता गायन :** प्रथम आम्रपाली महाजन, द्वितीय इशमित कौर व तृतीय दृष्टि

**चित्र के माध्यम से कहानी प्रस्तुति में :** प्रथम खुशी, द्वितीय अस्मिता व तृतीय आंचल

**जीवनी पठन में :** प्रथम कनुप्रिया, द्वितीय अखिलेश व तृतीय रागिनी।

# एमसीएम ने हिंदी उत्सव मनाया

**चंडीगढ़।** भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने हिंदी उत्सव मनाया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़ और शुरुआत समिति के सहयोग से आयोजित यह उत्सव भारतेंदु हरिश्चंद्र से डॉ. विरेंद्र मेहंदीरत्ता तक हिंदी साहित्य की यात्रा को समर्पित था। इस समारोह में संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), हरियाणा, से निर्मल नागर, पंजाब विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग, डॉ. गुरमीत सिंह, और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में राजभाषा अधिकारी, आशुतोष, उपस्थित थे। समारोह का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने हिंदी साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की सादगी पर जोर देकर हिंदी को जनभाषा के रूप में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा, भारतेन्दु जी ने ब्रिटिश शासन के दौरान आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए भारतीयों में राष्ट्रवाद की भावनाओं को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. भार्गव ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में काम करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने एक स्व-रचित कविता जीना उन्हीं का है के पाठ के साथ अपनी बात समाप्त की। भारतेंदु हरिश्चंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए, विभाग के छात्रों ने उनके नाटक अंधेर नगरी का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों की गड़गड़ाहट भरी तालियां बटोरीं। इस अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा हिंदी पुस्तकों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई और कुछ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिनमें कविता गायन, पसंदीदा लेखक की जीवनी प्रस्तुति, पसंदीदा लेखक का पोर्ट्रेट बनाना और पसंदीदा लेखक के काम पर आधारित पेंटिंग बनाना शामिल था। कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने के साथ हुआ।

# एमसीएम ने हिंदी उत्सव मनाया

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

**चंडीगढ़।** भारतेंदु हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर, मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने हिंदी उत्सव मनाया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़ और शुरुआत समिति के सहयोग से आयोजित यह उत्सव भारतेंदु हरिश्चंद्र से डॉ विरेंद्र मेहंदीरत्ता तक हिंदी साहित्य की यात्रा को समर्पित था। इस समारोह में संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), हरियाणा, से श्री निर्मल नागर, पंजाब विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग, डॉ. गुरमीत सिंह, और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में राजभाषा अधिकारी, श्री आशुतोष, उपस्थित थे। समारोह का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने हिंदी साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की सादगी पर जोर देकर हिंदी को जनभाषा के रूप में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा, भारतेन्दु जी ने ब्रिटिश शासन के दौरान आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए

भारतीयों में राष्ट्रवाद की भावनाओं को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. भार्गव ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में काम करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने एक स्व-रचित कविता जीना उन्हीं का है के पाठ के साथ अपनी बात समाप्त की।

भारतेंदु हरिश्चंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए, विभाग के छात्रों ने उनके नाटक अंधेर नगरी का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों की गड़गड़ाहट भरी तालियाँ बटोरीं। इस अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा हिंदी पुस्तकों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई और कुछ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिनमें कविता गायन, पसंदीदा लेखक की जीवनी प्रस्तुति, पसंदीदा लेखक का पोर्ट्रेट बनाना, और पसंदीदा लेखक के काम पर आधारित पेंटिंग बनाना शामिल था । कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने के साथ हुआ।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार हैं: पोर्ट्रेट बनाने में प्रथम : अनुभा, द्वितीय: तान्या पुरी, तृतीय : समीक्षा, कविता गायन में प्रथम : आम्रपाली महाजन, द्वितीय : इशमित कौर, तृतीय : दृष्टि, चित्र के माध्यम से कहानी प्रस्तुति में प्रथम : खुशी, द्वितीय : अस्मिता, तृतीय : आंचल, जीवनी पठन में प्रथम : कनुप्रिया, द्वितीय : अखिलेश, तृतीय : रागिनी।

हम सब मिलकर दे सम्मान, निज भाषा पर करें अभिमान, हिन्दुस्तान के मस्तक की बिंदी, जन जन की आत्मा बने हिन्दी....
CANDIDATE NAME:- MANJEET KAUR
हिन्दी दिवस
की शुभकाम
क ख अ आ
ग घ इ ई
भावों की अभिव्यक्ति है,
मिटने की भक्ति है"
हिन्दी उन सभी गुणो से अलंकृत है, जिसके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।

मेहर चंद महाजन डी.ए.वी महिला महाविद्यालय
सेक्टर 36-ए, चंडीगढ़

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग

द्वारा आयोजित

'मंथन'

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

विषय : हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता एवं उपयोगिता

दिनांक : 10 जनवरी 2022 समय : सुबह 10 से 12 बजे तक

भेजें : sunita@mcmdavcwchd.in

नोट : सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिया जायेगा

समन्वयकर्ता
डॉ० मनीषा प्रियंवदा
डॉ० प्रसून प्रसाद
डॉ० सरिता चौहान
सुनीता कुमारी

प्रधानाचार्य
डॉ० निशा भार्गव

## भव्य कवि सम्मेलन और काव्य पाठ का आयोजन किया

**दैनिक स्टेट समाचार के स्थानीय संपादक डॉ. विनोद शर्मा ने भी की शिरकत**

चंडीगढ़। स्टेट समाचार। विनोद कुमार

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन और काव्य पाठ प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विश्व कविता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव मनाया। यह समारोह कॉलेज में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग और पंजाबी विभाग के सोच ते कलाम क्लब और संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया था। कवि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कविता के प्रति अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उत्सव कविता के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है जो मानवता की सांस्कृतिक, भावाभिव्यक्ति और पहचान को दर्शाने के लिए बहुमूल्य रत्नों में से एक है। कविता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कविताएँ संवाद और शांति के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक है। डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, उन्होंने अपनी दो कविताओं के माध्यम से सपनों की शक्ति और जीवन की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से साझा किया।

कवि सम्मेलन में प्रेम बिज, शम्स तबरेजी, सुश्री नीरू मित्तल, सुश्री सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गुरदर्शन सिंह माबी, सुनील त्रिखा, विनोद शर्मा , अशोक नादिर आमंत्रित कवि मंडल और कॉलेज के संकाय सदस्य में डॉ सम्मेलन बतौर कवयित्री शामिल हुए। कवि मंडल और संकाय सदस्यों की हृदयग्राही कविताओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जीवनदर्शन से लेकर प्रकृति तक, प्रेम से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, बचपन से लेकर परिपक्वता तक, नैतिक मूल्यों से लेकर देशभक्ति तक, कवियों ने विविध विषयों को छुआ और अपने। भावों को कविता की लड़ी में पिरो कर प्रस्तुत किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। प्रतियोगिता के

## कवि सम्मेलन और काव्य पा

## साहित्यकार डॉ विनोद शर्मा ने भी

ार, मदरलैंड संवाददाता

मेहर चंद महाजन डीएवी मेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन ठ प्रतियोगिता के आयोजन के वता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य यह समारोह कॉलेज में हिंदी के भाग और पंजाबी विभाग के क्लब और संवाद साहित्य मंच, क्त प्रयास द्वारा आयोजित किया सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, शा भार्गव ने कविता के प्रति क्त करते हुए कहा कि यह के प्रति अगाध समर्पण का मानवता की सांस्कृतिक, और पहचान को दर्शाने के लिए में से एक है। कविता के महत्व ए उन्होंने कहा कि कविताएँ ति के लिए एक शक्तिशाली भार्गव ने स्वरचित कविता पाठ मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि

सम्मेलन में प्रेम बिज, शम्स तबरेजी, नीरू मित्तल, सुश्री सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गुरदर्शन सिंह माबी, नीलम त्रिखा, विनोद शर्मा , अशोक नादिर आमंत्रित कवि मंडल और कॉलेज के संकाय सदस्य में डॉ

## भव्य कवि सम्मेलन और काव्य पाठ का आयोजन

### -साहित्यकार डॉ विनोद शर्मा ने भी दी प्रस्तुति

**विनोद कुमार, चंडीगढ़।** मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन और काव्य पाठ प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विश्व कविता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव मनाया। यह समारोह कॉलेज में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग और पंजाबी विभाग के सोच ते कलाम क्लब और संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया था। कवि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कविता के प्रति अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उत्सव कविता के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है जो मानवता की सांस्कृतिक, भावाभिव्यक्ति और पहचान को दर्शाने के लिए बहुमूल्य रत्नों में से एक है। कविता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कविताएँ संवाद और शांति के लिए एक शक्तिशाली

## कवियों और संकाय सदस्यों की कविताओं ने श्रं

22 मार्च (आशीष) : सैक्टर-36 स्थित मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वूमैन में कवि सम्मेलन का आयो ते अपने उदगार व्यक्त किए। डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपनी दो साझा किया। कवि सम्मेलन में प्रेम बिज, शम्स तबरेजी, नीरू मित्तल, सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गु